

Reg. No. :

Name :

II Semester B.A. Degree (CBCSS – Supple.) Examination, April 2021
(2014 – 2018 Admission)
COMPLEMENTARY COURSE IN SANSKRIT (For Hindi/Kannada Core)
2C (01) SKT-HN : Poetry and Grammar
Text : Raghuvamsa Canto XIV

Time : 3 Hours

Max. Marks : 40

Instructions : Answers may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **main language**. In writing **Sanskrit Devanagari** script should be used.

- I. Decline **any five** : (1×5=5)
- | | |
|-----------------|-----------|
| 1) राम | द्वितीया |
| 2) प्रजा | चतुर्थी |
| 3) वृक्ष | षष्ठी |
| 4) तद् (स्त्री) | प्रथमा |
| 5) अस्मद् | तृतीया |
| 6) युष्मद् | पञ्चमी |
| 7) पितृ | सप्तमी |
| 8) कवि | से प्रथमा |
- II. Answer the following : (½×4=2)
- 9) Split **any four** :
- तथैव
 - वहिनगतेव
 - वपुस्तदीयम्
 - सुखान्यभूवन्
 - तरङ्गेष्विव
 - तस्यापनोदाय

P.T.O.

K21U 3586

-2-

- 10) Combine **any four** : (½×4=2)
- यदि+अर्थिता
 - न+अबुद्ध
 - त्यज+एनाम्
 - पुलिने+अवतार्य
 - क्षमस्व+इति
 - तव+एव।
- III. Answer **any five** in **one** or **two** sentences : (1×5=5)
- वैदेहिबन्धोर्हृदयं विदद्रे Why ?
 - अवार्यतेवोत्थितवीचिहस्तैः By Whom ?
 - अस्त्येव मन्युर्भरताग्रजे मे Who says ?
 - पुनः पुनर्दुष्कृतिनं निनिन्द Who ?
 - लतेव सीता सहसा जगाम When ?
 - आख्यातमस्यै गुरु भावि दुःखम् How ?
 - स एव धर्मो मनुना प्रणीतः What was the dharma ?
 - चक्रन्द विम्बा कुरीरि भूयः When ?
- IV. Explain fully **any two** : (3×2=6)
- 19) अथाभिषेकं रघुवंशकेतोः
 प्रारब्धमानन्दजलैर्जनभ्योः।
 निर्वर्तयामासुरमात्यवृद्धा-
 स्तीर्थाहृतैः काञ्चनकुम्भतोयैः॥

K21U 3586

-3-

K21U 3586

- 20) सभाजनायोपगतान्स दिव्यान्
 मुनीन् पुरस्कृत्य हतस्य शत्रोः
 शुश्राव तेभ्यः प्रभवादि वृत्तं
 स्वविक्रमे गौरवमादधानम्।
- 21) सर्वासुमातृष्वपि वत्सलत्वान्
 सा निर्विशेषप्रतिपत्तिशसीत्।
 षडाननापीतपयोधरासु
 नेता चमूनामिव कृत्तिकासु।
- 22) स किंवदन्तीं वदतां पुरोगः
 स्ववृत्तमुद्दिश्य विशुद्धवृत्तः
 सर्पाधिराजोरुभुजोऽपसर्प
 पप्रच्छ भद्रं विजितारि भद्रः।
- V. Annotate **any three** of the following : (2×3=6)
- विन्ध्यस्य मेघप्रभवा इवापः।
 - यशोधनानां हि यशो गरीयः।
 - आलानिकं स्थाणुमिव द्विपेन्द्रः।
 - आरोपिता शुद्धिमतःप्रजाभिः।
 - पदा स्पृशन्तं दशति द्विजिहवः।
- VI. Translate **any two** into the main language. (1×2=2)
- 28) भर्तुः प्रणाशादथ शोचनीयं
 दशान्तरं तत्र समं प्रपन्ने।
 अपश्यतां दाशरथी जनन्यौ
 छेदादिवोपहनतरोर्वतयौ॥

K21U 3586

-4-

- 29) क्लेशावहा भर्तुरलक्षणाहम्
 सीतेति नाम स्वमुदीरयन्ती
 स्वर्गप्रतिष्ठस्य गुरोर्महिष्या-
 वभक्तिभेदेन वधूर्वन्दे।
- 30) स सन्निपात्यावरजान् हतौजा-
 तद्वि क्रियादर्शनं लुप्तहर्षान्।
 कौलीनमात्माश्रयमाचक्षे
 तेभ्यः पुनश्चेदमुवाच वाचम्॥
- 31) प्रजावती दोहदशंसिनी ते
 तपोवनेषु स्मृह्यालुरेव
 स त्वं रथी तद्रव्यपदेशनेयां
 प्राप्य वात्मीकिपदं त्यजेनाम्॥
- VII. Write **two** essays : (6×2=12)
- 32) Give an account of the words of Rama to his brothers.
 OR
 Illustrate the beauty of Kalidasa's poetry on the basis of Raghuvamsa.
- 33) Write down the conversation between Sita and Lakshmana.
 OR
 Summarise the behavior of Rama to his mothers on his arrival at Ayodhya.